

डीआरडीओ समाचार



www.drdo.gov.in

डीआरडीओ की मासिक गृह पत्रिका

भाद्रपद - आश्विन शक 1943, सितम्बर 2022 खण्ड 34 अंक 09 "बलस्य मूलं विज्ञानम्"

ISSN: 0971-4405

भारत में निर्मित एटीएजीएस ने तिरुंगे को औपचारिक सलामी दी



मुख्य संपादक: डॉ के नागेश्वर राव
 मुख्य सह-संपादक: अलका बंसल
 प्रबंध संपादक: अजय कुमार
 संपादकीय सहायक: धर्म वीर



डीआरडीओ समाचार के ई-संस्करण तक पहुंचने के लिए क्यूआर कोड स्कैन करें

हमारे संवाददाता

अहमदनगर	:	श्री आर ए शेख, वाहन अनुसंधान एवं विकास स्थापना (वीआरडीई)
अंबरनाथ	:	डॉ. सुसन टाइटस, नौसेना सामग्री अनुसंधान प्रयोगशाला (एनएमआरएल)
चांदीपुर	:	श्री पी एन पांडा, एकीकृत परीक्षण परिसर (आईटीआर)
बेंगलूरु	:	श्री रत्नाकर एस महापात्रा, प्रूफ एवं प्रयोगात्मक संगठन (पीएक्सई)
	:	श्री सतपाल सिंह तोमर, वैमानिकी विकास स्थापना (एडीई)
	:	श्रीमती एम. आर. भुवनेश्वरी, वायुवाहित प्रणाली केंद्र (कैब्स)
	:	श्रीमती फहीमा ए जी जे, कृत्रिम ज्ञान एवं रोबोटिकी केंद्र (केयर)
	:	डॉ. जोसेफिन निर्मला एम, युद्धक विमान प्रणाली विकास एवं एकीकरण केंद्र (कैसडिक)
	:	डॉ. प्रसन्ना एस बख्शी रक्षा जैव अभियांत्रिकी एवं विद्युत चिकित्सा प्रयोगशाला (डेबेल)
चंडीगढ़	:	श्री वेंकटेश प्रभु, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं रडार विकास स्थापना (एलआरडीई)
	:	डॉ. अशोक बंसीवाल, सूक्ष्म तरंग नलिका अनुसंधान एवं विकास केंद्र (एमटीआरडीसी)
	:	डॉ. प्रिंस शर्मा, चरम प्राक्षेपिकी अनुसंधान प्रयोगशाला (टीबीआरएल)
	:	श्रीमती एस जयसुधा, युद्धक वाहन अनुसंधान एवं विकास स्थापना (सीवीआरडीई)
चेन्नई	:	श्री अभय मिश्रा, रक्षा इलेक्ट्रॉनिक अनुप्रयोग प्रयोगशाला (डील)
देहरादून	:	श्री जे पी सिंह, यंत्र अनुसंधान एवं विकास स्थापना (आईआरडीई)
दिल्ली	:	श्री आशुतोष भटनागर, कार्मिक प्रतिभा प्रबंधन केंद्र (सेपटेम)
	:	डॉ. दीप्ति प्रसाद, रक्षा शरीरक्रिया एवं संबद्ध विज्ञान संस्थान (डिपास)
	:	डॉ. डॉली बंसल, रक्षा मनोवैज्ञानिक अनुसंधान संस्थान (डीआईपीआर)
	:	श्री नवीन सोनी, नाभिकीय औषधि एवं संबद्ध विज्ञान संस्थान (इनमास)
	:	श्रीमती रबिता देवी, पद्धति अध्ययन एवं विश्लेषण संस्थान (ईसा)
	:	सुश्री नूपुर श्रोत्रिय, वैज्ञानिक विश्लेषण समूह (एसएजी)
	:	डॉ. रूपेश कुमार चौबे, टोसावस्था भौतिकी प्रयोगशाला (एसएसपीएल)
	:	डॉ. ए के गोयल, रक्षा अनुसंधान एवं विकास स्थापना (डीआरडीई)
	:	डॉ. अतुल ग्रोवर, रक्षा जैव-ऊर्जा अनुसंधान संस्थान (डिबेर)
	:	श्री हेमंत कुमार, उन्नत प्रणाली प्रयोगशाला (एसएसएल)
ग्वालियर	:	श्री ए आर सी मूर्ति, रक्षा इलेक्ट्रॉनिक अनुसंधान प्रयोगशाला (डीएलआरएल)
	:	डॉ. मनोज कुमार जैन, रक्षा धातुकर्मीय अनुसंधान प्रयोगशाला (डीएमआरएल)
	:	श्री ललित शंकर, अनुसंधान केंद्र इमारत (आरसीआई)
	:	डॉ. गौरव अग्निहोत्री, एस एफ परिसर (एसएफसी)
जगदलपुर	:	श्री रवींद्र कुमार, रक्षा प्रयोगशाला (डीएल)
जोधपुर	:	श्री ए के सिंह, रक्षा सामग्री एवं भंडार अनुसंधान और विकास स्थापना (डीएमएसआरडीई)
कानपुर	:	श्रीमती लता एम एम, नौसेना भौतिक एवं समुद्र विज्ञान प्रयोगशाला (एनपीओएल)
कोच्चि	:	डॉ. डॉर्जी आंगचॉक, रक्षा उच्च तुंगता अनुसंधान संस्थान (दिहार)
लेह	:	डॉ. गोपा बी चौधरी, प्रौद्योगिकी प्रबंध संस्थान (आईटीएम)
मसूरी	:	डॉ. एम पालमुरगन, रक्षा खाद्य अनुसंधान प्रयोगशाला (डीएफआरएल)
मैसूर	:	डॉ. (श्रीमती) जे ए कानितकर, आयुध अनुसंधान और विकास स्थापना (एआरडीई)
पुणे	:	डॉ. विजय पट्टर, रक्षा उन्नत प्रौद्योगिकी संस्थान (डीआईएटी)
तेजपुर	:	डॉ. एस नंदगोपाल, उच्च ऊर्जा पदार्थ अनुसंधान प्रयोगशाला (एचईएमआरएल)
	:	डॉ. जयश्री दास, रक्षा अनुसंधान प्रयोगशाला (डीआरएल)
विशाखापत्तनम	:	श्रीमती ज्योत्सना रानी, नौसेना विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला (एनएसटीएल)

इस अंक में

मुख्य लेख	4
समझौता ज्ञापन	5
घटनाक्रम	7



मानव संसाधन विकास क्रियाकलाप	15
अवसंरचना विकास	20
निरीक्षण/दौरा कार्यक्रम	20

वेबसाइट : <https://www.drdo.gov.in/samachar>
अपने सुझावों से हमें अवगत कराने के लिए कृपया संपर्क करें :
director.desidoc@gov.in
दूरभाष : 011-23902403, 23902434
फैक्स : 011-23819151

भारत में निर्मित एटीएजीएस ने तिरंगे को औपचारिक सलामी दी

15 अगस्त 2022 को लाल किले में स्वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान पहली बार 21 तोपों की सांकेतिक सलामी में स्वदेश निर्मित होवित्जर तोप, 155 मिमी/52 कैलिबर उन्नत कर्षित आर्टिलरी गन प्रणाली (एटीएजीएस) का इस्तेमाल किया गया। इसे पुणे स्थित आयुध अनुसंधान तथा विकास स्थापना (एआरडीई) द्वारा अभिकल्पित एवं विकसित किया गया है। तिरंगे को दी गई 21 तोपों की सलामी में स्वदेश निर्मित तोपों का इस्तेमाल ब्रिटेन निर्मित पारंपरिक '25 पाउंडर्स' तोपों के साथ किया गया था। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर लाल किले से देश को संबोधित करते हुए माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने अपने भाषण के दौरान केंद्र की 'आत्मानिर्भर भारत' पहल के बारे में बोलते हुए स्वदेश निर्मित एटीएजीएस का भी उल्लेख किया। इस अवसर पर माननीय

प्रधानमंत्री ने कहा "आज, आजादी के 75 साल बाद लाल किले पर तिरंगे को दी जाने वाली 21 तोपों की सलामी में पहली बार स्वदेश निर्मित तोपों को इस्तेमाल में लाया गया है। सभी भारतीय स्वदेशी तोपों की इस आवाज से प्रेरित और सशक्त होंगे और इसीलिए, आज, मैं सेना के जवानों का आत्मानिर्भरता की जिम्मेदारी संगठित तरीके से अपने कंधों पर उठाने के लिए अभिनंदन करता हूँ।"

एआरडीई, पुणे द्वारा रक्षा प्रौद्योगिकी और विशेष रूप से आयुध प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में आत्मानिर्भरता प्राप्त करने के वास्तविक उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए 155 मिमी/52 कैलिबर के स्वदेशी उन्नत एटीएजीएस को अभिकल्पित एवं विकसित किया गया है। यह एक बहु-विषयक तथा बहु-प्रयोगशाला कार्यक्रम है।

इस स्वदेशी तोप प्रणाली को अभिकल्पित एवं विकसित करने के लिए एआरडीई नोडल प्रयोगशाला है एवं कृत्रिम ज्ञान तथा रोबोटिकी केंद्र (केयर), बंगलुरु; रक्षा इलेक्ट्रॉनिक्स प्रयोज्यता प्रयोगशाला (डील), देहरादून; यंत्र अनुसंधान तथा विकास स्थापना (आईआरडीई), देहरादून; प्रमाण तथा प्रायोगिकी स्थापना (पीएक्सई), चांदीपुर एवं वाहन अनुसंधान तथा विकास स्थापना (वीआरडीई), अहमदनगर इस परियोजना में एआरडीई के साथ सहयोगात्मक भूमिका का निर्वहन करने के लिए कार्य कर रही डीआरडीओ की प्रतिभागी प्रयोगशालाएँ हैं।

एटीएजीएस को पुणे स्थित एआरडीई द्वारा अभिकल्पित किया गया है तथा डीआरडीओ द्वारा सौंपे गए प्रौद्योगिकी अंतरण लाइसेंस के तहत बंगलुरु स्थित दो प्रमुख सिस्टम इंटीग्रेटर्स अर्थात् भारत फोर्ज



उन्नत कर्षित आर्टिलरी गन प्रणाली (फाइल फोटो)

लिमिटेड, पुणे एवं टाटा एडवांस्ड सिस्टम लिमिटेड द्वारा विनिर्मित किया गया है।

स्वतंत्रता दिवस से पहले जारी किए गए एक वक्तव्य में रक्षा मंत्रालय ने कहा, "तोप भारत की हथियार एवं गोला बारूद को स्वदेश में विकसित करने की क्षमता में हुई वृद्धि का एक प्रमाण है।" समारोह हेतु तोप

से दागे जाने के लिए विशेष गोले तैयार किए गए हैं तथा स्वदेश निर्मित इस तोप में अन्य कोई अतिरिक्त बदलाव नहीं किया गया है।

इस अवसर पर एआरडीई के निदेशक, श्री अंकथि राजू ने कहा, "भारत में निर्मित स्वदेशी तोप (एटीएजीएस) द्वारा 75वें स्वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान राष्ट्र को सलामी

देना मेरे तथा समस्त एआरडीई समुदाय के लिए गर्व की बात है।

स्वदेश निर्मित तोप द्वारा पहली बार ब्रिटेन निर्मित पारंपरिक '25 पाउंडर्स' तोपों के साथ मिलकर तिरंगे को सलामी देना वास्तव में एआरडीई एवं डीआरडीओ की एक महति उपलब्धि है।

समझौता ज्ञापन

डील, देहरादून तथा डीआईटी विश्वविद्यालय, देहरादून के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए

रक्षा इलेक्ट्रॉनिक्स अनुप्रयोग प्रयोगशाला (डील), देहरादून तथा डीआईटी विश्वविद्यालय, देहरादून द्वारा 20 जुलाई 2022 को एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए जिसका उद्देश्य शिक्षाविदों, वैज्ञानिकों तथा कर्मचारियों के बीच पारस्परिक विचार-विमर्श को प्रोत्साहन प्रदान करना था। डील के निदेशक श्री एल सी मंगल तथा डीआईटी विश्वविद्यालय के उप कुलपति प्रो रघुराम द्वारा डीआईटी विश्वविद्यालय परिसर में

प्रबंधन से जुड़े वरिष्ठ कार्मिकों की उपस्थिति में इस समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। डील ज्ञान साझा करने के लिए शिक्षा जगत से जुड़े संस्थानों एवं शिक्षाविदों के साथ पारस्परिक विचार-विमर्श को बढ़ावा देने तथा उन्नत शैक्षणिक कार्यक्रमों को चलाने के लिए केंद्रों का सावधानीपूर्वक चयन एवं प्रबंधन करने के लिए प्रतिबद्ध है। इस समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए जाने से पारस्परिक सहमत रूप में वैज्ञानिक एवं शैक्षणिक

जानकारियों को साझा करने, मानदंडों के तहत पारस्परिक रूप से सहमत शर्तों के अनुसार स्नातकोत्तर/स्नातक पाठ्यक्रम के छात्रों को संयुक्त रूप में मार्गदर्शन प्रदान करने, संयुक्त रूप से पीएचडी कार्यक्रमों को चलाने तथा कर्मचारियों/वैज्ञानिकों के लिए प्रौद्योगिकी स्नातक (बी.टेक) एवं प्रौद्योगिकी स्नातकोत्तर (एम.टेक) पाठ्यक्रमों को संचालित करने का मार्ग प्रशस्त होगा।



समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर कार्यक्रम के दौरान श्री एल सी मंगल, निदेशक, डील तथा प्रो रघुराम

डीआरएल, तेजपुर तथा आईआईटी-बीएचयू के बीच समझौता ज्ञापन

रक्षा अनुसंधान प्रयोगशाला (डीआरएल), तेजपुर तथा भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान-बनारस हिंदू विश्वविद्यालय (आईआईटी-बीएचयू) के बीच वाराणसी में एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए जिसका उद्देश्य सेना के जवानों द्वारा आमतौर पर पूरे देश भर में तथा विशेष तौर पर पूर्वोत्तर क्षेत्र में सामना की जा रही जीवन से जुड़ी अत्यधिक कठिन समस्याओं का समाधान करने के लिए दोनों प्रमुख संस्थानों के बीच सहयोगात्मक अनुसंधान एवं विकास क्रियाकलापों को बढ़ावा देना था। डॉ डी वी काम्बोज, निदेशक, डीआरएल तथा प्रोफेसर पी के जैन, निदेशक, आईआईटी-बीएचयू द्वारा दिनांक 22 जुलाई 2022 को डॉ यू के सिंह, महानिदेशक (जीवन विज्ञान), डीआरडीओ की उपस्थिति में इस समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।



घटनाक्रम

डीआरडीओ द्वारा स्वदेश में विकसित की गई लेजर - निर्देशित एटीजीएम का सफलतापूर्वक परीक्षण किया गया

रक्षा अनुसंधान तथा विकास संगठन (डीआरडीओ) एवं भारतीय सेना द्वारा केके रेंज से 4 अगस्त 2022 को मुख्य युद्धक टैंक (एमबीटी) अर्जुन से स्वदेश में विकसित की गई लेजर-निर्देशित एंटी टैंक गाइडेड मिसाइल (एटीजीएम) का सफलतापूर्वक परीक्षण किया गया। परीक्षण हेतु मिसाइल को दागे जाने के संपूर्ण प्रक्रम में आर्मर्ड कोर सेंटर एंड स्कूल (एसीसी एंड एस) अहमदनगर, महाराष्ट्र द्वारा सहयोग किया गया था। मिसाइलों ने सटीक प्रहार करते हुए दो अलग-अलग रेंजों में स्थित लक्ष्यों को

सफलतापूर्वक नष्ट किया। रेंज पर स्थापित की गई टेलीमेट्री प्रणाली ने मिसाइलों के संतोषजनक उड़ान प्रदर्शन को दर्ज किया है।

पूर्ण रूप से स्वदेश में विकसित की गई लेजर-निर्देशित एटीजीएम में विस्फोटकों के विरुद्ध प्रतिक्रियाशील बख्तर सामग्री (ईआरए) द्वारा संरक्षित बख्तरबंद वाहनों को ध्वस्त करने के लिए दो या अधिक चरण वाले उच्च विस्फोटक सामग्रियों से युक्त हाई एक्सप्लोसिव एंटी-टैंक (हीट) वारहेड का प्रयोग किया गया है। एटीजीएम को एक से अधिक प्लेटफॉर्मों से प्रक्षेपित किए जाने

की क्षमता के साथ विकसित किया गया है तथा वर्तमान में एमबीटी अर्जुन के 120 मिमी राइफल गन से इस मिसाइल के तकनीकी मूल्यांकन परीक्षण किए जा रहे हैं।

रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने लेजर-निर्देशित एटीजीएम के सफल प्रदर्शन के लिए डीआरडीओ एवं भारतीय सेना को बधाई दी है। रक्षा अनुसंधान तथा विकास विभाग के सचिव एवं डीआरडीओ के अध्यक्ष डॉ जी सतीश रेड्डी ने लेजर-निर्देशित एटीजीएम के परीक्षण से जुड़ी टीमों को बधाई दी।

खलंगा युद्ध मेमोरियल हेरीटेज वॉक का आयोजन

रक्षा इलेक्ट्रॉनिक्स अनुप्रयोग प्रयोगशाला (डील), देहरादून के कर्मचारियों द्वारा 23 जुलाई 2022 को चौदह किलोमीटर के हेरिटेज वॉक का आयोजन किया गया। अपार उत्साह के साथ, चालीस लोगों ने खलंगा पहाड़ी की चोटी पर चढ़ाई शुरू की, जो 200 से भी अधिक वर्ष पहले लड़े गए आंग्ल-गोरखा युद्ध का साक्षी है। यह युद्ध खलंगा किले में रह रहे गोरखा सेना के 500 सैनिकों तथा उनके परिवार की महिलाओं एवं बच्चों द्वारा तोपखाने की शक्ति से सुसज्जित शक्तिशाली 3000 ब्रिटिश सैनिकों के विरुद्ध लड़ा गया था। जो युद्ध कुछ दिनों में समाप्त होने वाला था, वह गोरखाओं की वीरता, धैर्य और दृढ़ संकल्प के कारण एक महीने तक चला। अंग्रेज गोरखाओं की वीरता से इतने प्रभावित हुए कि उन्होंने गोरखा रेजिमेंट बनाकर उन्हें अपनी सेना का हिस्सा बना लिया। यह रेजिमेंट अभी भी भारतीय सेना का हिस्सा है तथा इस रेजिमेंट को बलिदान एवं शौर्य से भरे वीरतापूर्ण गाथाओं के लिए जाना जाता है। वॉक का नेतृत्व रक्षा इलेक्ट्रॉनिक्स प्रयोज्यता प्रयोगशाला (डील) के निदेशक श्री एल सी मंगल ने किया, जो समूह के साथ पहाड़ी की चोटी तक पहुंचे और अपनी उपस्थिति से समूह के सभी सदस्यों को प्रेरित किया।



आजादी का अमृत महोत्सव: हर घर तिरंगा

'हर घर तिरंगा', आजादी का अमृत महोत्सव के तत्वावधान में आयोजित किया गया एक अभियान है जिसका उद्देश्य देश के नागरिकों के मन में देशभक्ति की भावना को जागृत करना तथा राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान एवं जागरूकता को बढ़ावा देना है। डीआरडीओ ने पूरे मनोयोग से इस अभियान में भाग लिया तथा डीआरडीओ के मुख्यालय

में इस अभियान को पूरे उत्साह एवं उमंग के साथ आयोजित किया गया। डीआरडीओ की निम्नलिखित प्रयोगशालाओं द्वारा भी अपने-अपने स्थानों पर इस महोत्सव को आयोजित किया गया:

डील, देहरादून

रक्षा इलेक्ट्रॉनिक्स अनुप्रयोग प्रयोगशाला

(डील), देहरादून ने इस अभियान में भाग लिया तथा 13 अगस्त 2022 को इसके सभी शासकीय भवनों तथा साथ ही आवासीय भवनों पर भी तिरंगा फहराया गया। राष्ट्रीय ध्वज फहराने तथा राष्ट्रगान के गायन के साथ शहर के ग्यारह स्मारकों/मूर्तियों पर स्वच्छता अभियान चलाया गया। इस अवसर पर एक साइकिल रैली का भी आयोजन किया

गया जिसमें डील के कर्मचारियों के बच्चों ने तिरंगा प्रदर्शित करते हुए अत्यधिक उत्साह के साथ भाग लिया। 15 अगस्त 2022 की सुबह श्री एल सी मंगल, निदेशक, डील ने 'प्रभात फेरी' का नेतृत्व किया, जिसके दौरान लोगों ने देशभक्ति के गीतों को अत्यधिक उत्साह एवं उमंग के साथ गाया। डील के पचहत्तर वर्ष पूरे कर चुके सेवानिवृत्त कर्मचारियों ने स्वतंत्रता दिवस पर ध्वजारोहण समारोह में भाग लिया। डील के निदेशक द्वारा उनका अभिनंदन किया गया तथा उन्होंने समारोह में उपस्थित सभी व्यक्तियों के साथ अपने अनुभव साझा किए। इस अवसर पर डील की गृह पत्रिका 'तरंगवावली' और 'संचेतना' के विशेष संस्करण 'आजादी का अमृत महोत्सव' का विमोचन किया गया, जिसमें डील द्वारा पिछले 75 सप्ताह के दौरान किए गए विभिन्न क्रियाकलापों को शामिल किया गया था।



डेसीडॉक, दिल्ली

रक्षा वैज्ञानिक सूचना तथा प्रलेखन केंद्र (डेसीडॉक), दिल्ली ने भारत की आजादी के 75 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में अनेक कार्यक्रमों को आयोजित करके 'आजादी का अमृत महोत्सव' मनाया। इस दौरान डेसीडॉक के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने मेटकाफ हाउस स्थित प्रयोगशालाओं के अधिकारियों एवं कर्मचारियों की एक टीम के साथ मिलकर दिल्ली एवं राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के विभिन्न स्कूलों का दौरा किया। इस टीम ने विभिन्न स्कूलों के बच्चों को डीआरडीओ द्वारा प्राप्त की गई विभिन्न उपलब्धियों के संबंध में वीडियो प्रदर्शनी एवं व्याख्यान के माध्यम से बताया तथा बच्चों के साथ विभिन्न जानकारियों को साझा किया। इस दौरान डेसीडॉक के कर्मचारियों द्वारा एक वृक्षारोपण कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया। इसके बाद डेसीडॉक के मुख्य भवन तथा साथ ही डेसीडॉक के प्रशासनिक नियंत्रण में आने वाले अन्य भवनों पर भी ध्वजारोहण किया गया। श्री कुलदीप सिंह, वैज्ञानिक 'जी' ने ध्वजारोहण किया। समारोह में डेसीडॉक के कर्मचारियों ने पूरे उत्साह तथा उमंग के साथ भाग लिया।



डीएफआरएल, मैसूर

भारत की आजादी के 75 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में रक्षा खाद्य अनुसंधान प्रयोगशाला (डीएफआरएल), मैसूर द्वारा अनेक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस अभियान के हिस्से के रूप में डीएफआरएल, मैसूर एवं रक्षा जैव-अभियांत्रिकी तथा विद्युत चिकित्सा प्रयोगशाला (डेबेल), बेंगलुरु द्वारा सशस्त्र बलों के लिए विकसित की गई अपनी नई प्रौद्योगिकियों तथा उत्पादों को प्रदर्शित करने के लिए प्रदर्शनियों का आयोजन किया गया। प्रदर्शनियां दो ऐतिहासिक स्थलों—विधान सौधा, बेंगलुरु तथा मैसूर पैलेस परिसर, मैसूर में आयोजित की गई थीं। बड़ी संख्या में लोग तथा कॉलेज एवं स्कूलों के छात्र इन प्रदर्शनियों को देखने के लिए आए।

13-15 अगस्त 2022 के दौरान स्कूलों को राष्ट्रीय झंडों तथा डीएफआरएल द्वारा किए जा रहे विभिन्न क्रियाकलापों के बारे में पैम्फलेटों का वितरण एवं स्मारकों/प्रमुख स्थानों पर राष्ट्रीय झंडों को उचित तरीके से लगाने आदि जैसे कई अन्य क्रियाकलाप भी आयोजित किए गए।



डीआईपीआर, दिल्ली

रक्षा मनोवैज्ञानिक अनुसंधान संस्थान (डीआईपीआर), दिल्ली ने 13-15 अगस्त 2022 के दौरान 'हर घर तिरंगा' अभियान चलाया। 13 अगस्त 2022 को डॉ. के. रामचंद्रन, उत्कृष्ट वैज्ञानिक तथा निदेशक, डीआईपीआर द्वारा ध्वजारोहण किया गया तथा उसके पश्चात समारोह में उपस्थित सभी व्यक्तियों द्वारा राष्ट्रगान गाया गया। ध्वजारोहण समारोह के बाद निदेशक, डीआईपीआर ने समारोह में उपस्थित गणमान्य जनों को संबोधित किया। इस अवसर पर पोस्टर-निर्माण, गायन तथा निबंध लेखन आदि विभिन्न प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया गया।



डीआरडीई, ग्वालियर

रक्षा अनुसंधान तथा विकास स्थापना (डीआरडीई), ग्वालियर में 13-15 अगस्त 2022 के दौरान अत्यधिक उत्साह एवं उमंग के साथ 'हर घर तिरंगा' अभियान आयोजित किया गया। 'तिरंगा' कार्यक्रम डीआरडीई ओल्ड कैम्पस, तानसेन रोड; महारानी लक्ष्मीबाई स्मारक; तानसेन का मकबरा और छत्रपति शिवाजी महाराज मेमोरियल गार्डन, इन चार अलग-अलग स्थलों पर आयोजित किए गए थे। इन कार्यक्रमों में बड़ी संख्या में डीआरडीई के अधिकारियों तथा कर्मचारियों एवं छात्रों ने भाग लिया। डीआरडीई परिसर में ध्वजारोहण तथा राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम की शुरुआत हुई। इस अवसर पर डीआरडीई के वैज्ञानिकों एवं कार्मिकों ने भारत का भौगोलिक मानचित्र दर्शाने के लिए एक मानव शृंखला का निर्माण किया तथा स्वतंत्रता के 75 वर्ष की उपलब्धियों को दर्शानेवाला एक समूह चित्र भी बनाया। इसके अतिरिक्त, डीआरडीई में डीआरडीई तथा रक्षा सुरक्षा कोर (डीएससी)

आईटीएम, मसूरी

प्रौद्योगिकी प्रबंध संस्थान (आईटीएम), मसूरी में मौसम की खराब स्थिति के बावजूद अत्यधिक उत्साह एवं उमंग के साथ 76वें स्वतंत्रता दिवस समारोह का आयोजन किया गया। श्री एस ए कट्टी, निदेशक, आईटीएम ने ध्वजारोहण किया तथा उसके पश्चात समारोह में उपस्थित सभी व्यक्तियों द्वारा राष्ट्रगान किया गया। निदेशक, आईटीएम ने स्वतंत्रता दिवस समारोह के अवसर पर अपनी खुशी तथा हार्दिक भावनाओं को अभिव्यक्त करते हुए उपस्थित कर्मचारियों को संबोधित किया और कहा कि स्वतंत्रता दिवस समारोह विविधता में एकता को दर्शाता है तथा आईटीएम, मसूरी में आयोजित किया जा रहा यह समारोह राष्ट्रीय सुरक्षा के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता के लिए डीआरडीओ एवं तीनों सशस्त्र सेनाओं के योगदान का प्रतीक है। अपने संबोधन में आपने आईटीएम द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में प्राप्त की गई उपलब्धियों पर प्रकाश डाला तथा निर्धारित किए गए लक्ष्यों को निश्चित समय सीमा के भीतर प्राप्त करने में पूरे मनोयोग से सहयोग के लिए समूची 'आईटीएम टीम'



के कर्मचारियों के बच्चों के लिए ड्राइंग व पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। डॉ. मनमोहन परिदा, निदेशक, डीआरडीई ने प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए। आपने डीआरडीई के कर्मचारियों के

मेधावी बच्चों को भी पुरस्कार प्रदान किए तथा इस अवसर पर उपस्थित सभा को संबोधित किया। इसके अलावा इस अवसर पर डीआरडीई के तकनीकी एवं आवासीय परिसरों में पौधारोपण भी किया गया।



को धन्यवाद दिया। 13-15 अगस्त 2022 के दौरान आईटीएम में आयोजित किए गए ध्वजारोहण समारोह के अतिरिक्त आईटीएम के सभी आवासीय भवनों (30) पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया तथा आईटीएम के अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा स्थानीय स्कूलों (05) का दौरा किया गया जिसके दौरान 500 से भी अधिक बच्चों को कागज के झंडे तथा चॉकलेट वितरित किए गए। इसके साथ ही, आईटीएम के अधिकारियों

द्वारा सभी विद्यालयों में भारत के राष्ट्रीय ध्वज एवं भारत की ध्वज संहिता-2002 पर व्याख्यान का आयोजन किया गया एवं डीआरडीओ पर एक लघु फिल्म प्रदर्शित की गई। इसके अतिरिक्त 13 अगस्त 2022 को 'रोटरी क्लब' के सहयोग से 200 से अधिक विद्यार्थियों से मेल-मुलाकात का एक कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें विद्यार्थियों ने लंडौर में आयोजित किए गए 'तिरंगा मार्च' में भाग लिया।

डीआरएल, तेजपुर

रक्षा अनुसंधान प्रयोगशाला (डीआरएल), तेजपुर ने 3-4 अगस्त 2022 के दौरान अरुणाचल प्रदेश के विभिन्न स्थानों पर 'आजादी का अमृत महोत्सव' के तहत भारत की आजादी का गौरवशाली 75वां वर्ष मनाने के लिए 'हर घर तिरंगा' अभियान आयोजित किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य लोगों को तिरंगा लाने तथा अपने घरों पर इसे शान से फहराने के लिए प्रोत्साहित करना था। अभियान का आयोजन तवांग युद्ध स्मारक, तवांग मठ, बुद्ध प्रतिमा, महाबोधि स्कूल, तिली गांव में वृद्धाश्रम, तवांग जिले के सेरु गांव और चांगबू गांव तथा पश्चिम कामेंग जिले के दिरांग मठ, दलगांव गांव, संगती घाटी और न्युकमादुंग में किया गया था। इस अभियान में स्थानीय लोगों, छात्रों तथा बौद्ध भिक्षुओं ने अत्यधिक उत्साह एवं उमंग के साथ भाग लिया। रक्षा अनुसंधान प्रयोगशाला (डीआरएल) की टीम ने तवांग तथा उसके आस-पास के स्थानों पर 10,000 फीट की ऊंचाई पर तिरंगा फहराया।



एलआरडीई, बेंगलुरु

इलेक्ट्रॉनिक्स तथा रडार विकास स्थापना (एलआरडीई), बेंगलुरु परिसर स्थित महानिदेशक, इलेक्ट्रॉनिक्स तथा संचार प्रणाली (ईसीएस) के कार्यालय में 15 अगस्त 2022 को 76 वां स्वतंत्रता दिवस समारोह अत्यधिक धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर डॉ बी के दास, महानिदेशक (ईसीएस) ने ध्वजारोहण किया जिसके पश्चात समारोह में उपस्थित सभी व्यक्तियों द्वारा राष्ट्रगान गाया गया। ध्वजारोहण समारोह के बाद डॉ दास ने सभा में उपस्थित सभी जनों को संबोधित किया तथा अपने संबोधन में आपने स्वतंत्रता संग्राम के सेनानियों द्वारा देश को स्वतंत्र कराने के लिए दिए गए बलिदान का विशेष रूप से उल्लेख किया। आपने कहा कि जो लोग यहां एकत्रित हुए हैं वे भाग्यशाली हैं कि आजादी के बाद 75 वर्ष पूरे होने के पश्चात आयोजित किए जा रहे इस 76वें स्वतंत्रता दिवस समारोह का हिस्सा बन रहे हैं। आपने रडार, इलेक्ट्रो ऑप्टिक्स (ईओ) पेलोड, संचार, इलेक्ट्रॉनिक

युद्ध (ईडब्ल्यू) प्रणाली, उच्च शक्ति वाले माइक्रोवेव मॉड्यूल, भू संस्थित एवं युद्धपोत वाहित जैमर तथा निर्दिष्ट ऊर्जा हथियारों के क्षेत्र में ईसीएस समूह की प्रयोगशालाओं द्वारा प्राप्त की गई उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। आपने कहा कि एक समय था, जब देश युद्ध लड़ने के लिए आवश्यक सभी हथियारों का आयात करता था किंतु अब समय बदल गया है। आपने बल देकर कहा कि भारत को रक्षा प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में विश्व में अग्रणी बनाने के लिए हर संभव प्रयास किए जाने चाहिए। सभी के विश्वास, प्रतिबद्धताओं एवं

दृढ़ इच्छा शक्ति के बल पर भारत शीघ्र ही रक्षा उपकरणों तथा रक्षा से जुड़ी अन्य प्रणालियों का अग्रणी निर्यातक देश बनने की क्षमता से संपन्न होगा। इस अवसर पर स्वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान आयोजित किए गए विभिन्न कार्यक्रमों को प्रदर्शित करते हुए अनेक पोस्टर एवं चित्र प्रदर्शित किए गए तथा महानिदेशक, ईसीएस के कार्यालय के कर्मचारियों द्वारा रंगोली बनाई गई एवं महानिदेशक, ईसीएस द्वारा इस अवसर को स्मरणीय बनाते हुए आकाश में रंग बिरंगे गुब्बारे छोड़े गए।



✽ एलआरडीई, बेंगलुरु में 15 अगस्त 2022 को 76वां स्वतंत्रता दिवस अत्यधिक उत्साह एवं उमंग के साथ मनाया गया। इस अवसर पर डॉ पी राधाकृष्ण, उत्कृष्ट वैज्ञानिक तथा निदेशक, एलआरडीई ने ध्वजारोहण किया जिसके पश्चात समारोह में उपस्थित सभी व्यक्तियों द्वारा राष्ट्रगान गाया गया। ध्वजारोहण समारोह के बाद निदेशक, एलआरडीई ने सभा में उपस्थित सभी जनों को संबोधित किया। एलआरडीई द्वारा आयोजित किए जा रहे 'आजादी का अमृत महोत्सव' तथा 'हर घर तिरंगा' अभियान के उपलक्ष्य में प्रयोगशाला के अधिकारियों तथा कर्मचारियों के लिए अनेक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस अवसर पर भारत की स्वतंत्रता पर प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम, उठाओ और बोलो तथा निबंध लेखन प्रतियोगिता आयोजित की गई एवं विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए गए। इसके साथ ही एलआरडीई एवं डीआरडीओ टाउनशिप में रैली का भी आयोजन किया गया।



एनपीओएल, कोच्चि

नौसेना भौतिक एवं समुद्र विज्ञान प्रयोगशाला (एनपीओएल), कोच्चि में 13-15 अगस्त 2022 के दौरान 'हर घर तिरंगा' अभियान आयोजित किया गया। इस अभियान के उद्घाटन समारोह के दौरान 12 अगस्त 2022 को निदेशक, एनपीओएल ने प्रयोगशाला के वरिष्ठ अधिकारियों एवं कर्मचारियों को राष्ट्रीय ध्वज सौंपे। इन सभी ध्वजों को अत्यधिक सावधानी और सम्मान के साथ एनपीओएल के परिसर के भीतर स्थित 15 चिन्हित स्थानों पर फहराया गया। इस अवसर पर भारत की स्वतंत्रता के 75 गौरवशाली वर्षों पर आधारित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। एनपीओएल के तकनीकी सूचना संसाधन केंद्र (टीआईआरसी) द्वारा भी 'आजादी का अमृत महोत्सव' तथा 'भारत की स्वतंत्रता' पर आधारित एक ऑनलाइन प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

महोत्सव के हिस्से के रूप में 13 अगस्त 2022 को डीआरडीओ प्रायोजित स्कूल 'भवन वरुण विद्यालय' के 70 छात्रों



एवं 20 शिक्षकों तथा डॉ के अजित कुमार, निदेशक, एनपीओएल एवं अनेक वैज्ञानिकों का आईएनएस सागरध्वनी, दक्षिणी नौसेना कमान, कोच्चि का दौरा कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान छात्रों को समुद्री जहाज पर तैनात नौसेना के कार्मिकों के जीवन को करीब से देखने तथा उनके द्वारा किए जाने वाले रोजमर्रा के कार्यों को जानने का अवसर मिला। समुद्री पोत में दौरे पर आए सभी व्यक्तियों के लिए समुद्री पोत के विभिन्न महत्वपूर्ण कक्षों, वैज्ञानिक प्रयोगशालाओं तथा मशीनरी कक्षों को एक गाइड के साथ जाकर देखने की भी व्यवस्था की गई। इस अवसर पर निदेशक, एनपीओएल ने उपस्थित जनों को संबोधित करते हुए इस समुद्री पोत की विशेषताओं तथा एक तकनीकी रूप से उन्नत समुद्री बल निर्मित करने के लिए एनपीओएल तथा भारतीय नौसेना के बीच घनिष्ठ संबंध स्थापित करने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला।



15 अगस्त 2022 को एनपीओएल के निदेशक डॉ. के अजित कुमार ने एनपीओएल तकनीकी परिसर में राष्ट्रीय ध्वज फहराया तथा उपस्थित जनसमूह को संबोधित किया। ध्वजारोहण समारोह के बाद रक्षा सुरक्षा

कोर कार्मिकों का अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर निदेशक, एनपीओएल द्वारा डीआरडीओ अनुसंधान अधिकारी मेस तथा संस्थान (ड्रोमी) एवं डीआरईएमआई में भी राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया।

डीआरडीओ ने एआईडीईएफ प्रदर्शनी में भाग लिया

रक्षा अनुसंधान तथा विकास संगठन ने 11 जुलाई 2022 को नई दिल्ली में रक्षा उत्पादन विभाग, रक्षा मंत्रालय द्वारा 'रक्षा क्षेत्र में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआईडीईएफ)' विषय पर आयोजित की गई अपने किस्म की पहली संगोष्ठी एवं प्रदर्शनी में भाग लिया। यह प्रदर्शनी सशस्त्र सेनाओं, अनुसंधान संगठनों, उद्योग जगत तथा स्टार्ट अप कंपनियों, नव प्रवर्तकों द्वारा विकसित किए गए अत्याधुनिक कृत्रिम बुद्धिमत्ता समर्थित समाधान प्रदर्शित करने के लिए लगाई गई थी तथा प्रदर्शनी के दौरान बाजार के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता से युक्त उत्पाद लांच किए गए।

इस दौरान भविष्य के कृत्रिम बुद्धिमत्ता समाधानों के संबंध में छात्रों से सुस्पष्ट तथा अभिनव विचार प्राप्त करने के लिए 'अगली पीढ़ी के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता (जेननेक्स्ट एआई)' समाधान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कृत्रिम बुद्धिमत्ता विषय के विशेषज्ञों द्वारा प्रस्तुत किए गए शीर्ष तीन विचारों को भी सम्मानित किया गया। इस दौरान कृत्रिम बुद्धिमत्ता से संपन्न उत्पादों

की एक प्रदर्शनी भी आयोजित की गई। इस प्रदर्शनी में मित्र देशों से गणमान्य व्यक्तियों, रक्षा मंत्रालय तथा भारत सरकार के अन्य मंत्रालयों के वरिष्ठ अधिकारियों, अनुसंधान संस्थानों, शिक्षाविदों और उद्योग जगत के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

प्रदर्शनी के दौरान माननीय रक्षा मंत्री

श्री राजनाथ सिंह द्वारा कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित दो उत्पादों—कृत्रिम बुद्धिमत्ता सक्षम विद्युत प्रकाशीय अवरक्त प्रणाली (इलेक्ट्रो-ऑप्टिक इन्फ्रारेड सिस्टम) तथा रक्षा एवं एयरोस्पेस के लिए डीप लर्निंग टूलकिट को लांच किया गया। इन उत्पादों को वायुवाहित प्रणाली केंद्र (कैब्स), बेंगलुरु द्वारा विकसित किया गया है।



डीजेएलआईटी संपादकीय शिखर सम्मेलन-2022

रक्षा वैज्ञानिक सूचना तथा प्रलेखन केंद्र (डेसीडॉक), दिल्ली द्वारा 5 अगस्त 2022 को 'डेसीडॉक जर्नल ऑफ लाइब्रेरी एंड इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी (डीजेएलआईटी) संपादकीय शिखर सम्मेलन-2022' का आयोजन किया गया। सम्मेलन ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों तरीकों से आयोजित किया गया था। सम्मेलन का उद्देश्य डीजेएलआईटी की गुणवत्ता, पत्रिकाओं में प्रकाशित की जा रही विभिन्न सामग्रियों की स्वीकार्यता एवं पाठकों तक पहुंच में वृद्धि, विशेष विषयों से संबंधित उभरते हुए क्षेत्रों की पहचान, पत्रिका की स्थापित नीतियों में संशोधन तथा लेखकों से संबद्ध दिशानिर्देशों की समीक्षा आदि जैसे विभिन्न विषयों पर चर्चा करना था।

इस शिखर सम्मेलन में डीजेएलआईटी संपादकीय बोर्ड के भारत तथा विदेश के सदस्यों एवं संपादकीय टीम के सदस्यों सहित कुल 21 सदस्यों ने भाग लिया था। डॉ. के. नागेश्वर राव, निदेशक, डेसीडॉक ने सभी सदस्यों का स्वागत किया तथा पत्रिका में शामिल विभिन्न सामग्रियों की स्वीकार्यता,



पाठकों तक पहुंच में वृद्धि एवं पत्रिका की समग्र गुणवत्ता पर विशेष रूप से ध्यान देने की आवश्यकता पर बल दिया। श्री योगेश मोदी, वैज्ञानिक 'ई' ने डीजेएलआईटी की वर्तमान स्थिति, प्रकाशन तथा संपादकीय नीति के संबंध में एक प्रस्तुति दी। शिखर सम्मेलन अत्यधिक संवादात्मक तथा विचारोत्पादक सिद्ध हुआ। डीजेएलआईटी संपादकीय बोर्ड के सदस्यों ने डीजेएलआईटी को पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान (एलआईएस) के क्षेत्र में भारत की शीर्ष पत्रिका बनाने को ध्यान में

रखते हुए इस पत्रिका में उच्च गुणवत्ता के शोध पत्र प्रकाशित करने के लिए डेसीडॉक की प्रशंसा की। डीजेएलआईटी के आगामी विशेष अंकों में प्रकाशित किए जाने के लिए अनेक नए विषयों के साथ-साथ उनके संभावित अतिथि संपादकों की भी पहचान की गई तथा संपादकीय बोर्ड के कुछ सदस्यों ने स्वयं भी पत्रिका के विशेषांक जारी करने का प्रस्ताव रखा। श्रीमती अलका बंसल, वैज्ञानिक 'एफ' द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ सम्मेलन का समापन किया गया।

एआरडीई, पुणे में पुस्तकालय सप्ताह का आयोजन

आयुध अनुसंधान तथा विकास स्थापना (एआरडीई), पुणे में आजादी का अमृत महोत्सव के एक हिस्से के रूप में तथा साथ ही भारत में पुस्तकालय विज्ञान के जनक डॉ. एस. आर. रंगनाथन की 130 वीं जयंती के उपलक्ष्य में 8 से 12 अगस्त 2022 के दौरान एआरडीई के पुस्तकालय 'आयुध प्रौद्योगिकी सूचना केंद्र (आईसीएटी)' में पुस्तकालय सप्ताह का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का उद्घाटन श्री ए. राजू, निदेशक, एआरडीई द्वारा 8 अगस्त 2022 को किया गया। उद्घाटन सत्र के दौरान एक ओपन बुक प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम तथा शोध पत्र प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। निदेशक ने कार्यक्रम आयोजित करने के लिए टीम-आईसीएटी के प्रयासों की सराहना की। कार्यक्रम के विजेताओं को श्री रमेश कुमार, वैज्ञानिक 'जी' एवं कार्यवाहक निदेशक तथा डॉ. बी. बी. पाटी, वैज्ञानिक 'एफ', जी. डी.



(आईसीएटी एंड एचआर) द्वारा पुरस्कार प्रदान किए गए। श्री ए. के. पांडे, वैज्ञानिक 'ई', प्रमुख-आईसीएटी ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत

किया तथा पुस्तकालय सप्ताह को सफल आयोजन बनाने के लिए सभी प्रतिभागियों का हार्दिक आभार व्यक्त किया।

सीपीजीआरएएमएस संस्करण 7.0 पर कार्यशाला

प्रशासनिक सुधार तथा लोक शिकायत विभाग (डीएआरपीजी) भारत सरकार तथा साथ ही राज्य सरकारों के भी मंत्रालयों एवं विभागों में स्थापित किए गए शिकायत निवारण तंत्र के कामकाज पर निगरानी रखने के लिए उत्तरदायी है। नागरिकों की समस्याओं का त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण समाधान सुनिश्चित करने की दृष्टि से इस तंत्र को सुदृढ़ बनाने के लिए भारतीय गुणता परिषद (क्यूसीआई) के सहयोग से केंद्रीकृत लोक शिकायत निवारण तथा निगरानी प्रणाली (सीपीजीआरएएमएस) संस्करण 7.0 शुरू किया गया है सभी मंत्रालयों तथा विभागों को इस मंच के साथ जोड़ा गया है।

सीपीजीआरएएमएस के इस संस्करण में पहले से मौजूद कार्यों के अतिरिक्त शिकायतों का निवारण 30 दिनों की अवधि के भीतर करने का प्रावधान किया गया है तथा नागरिकों से इस प्रणाली के कार्यकरण के संबंध में फीडबैक प्राप्त करने की एक व्यवस्था

भी शुरू की गई है। मंत्रालयों/विभागों को उनके द्वारा शिकायतों के निपटान में लगने वाले समय तथा उनके संबंध में प्राप्त हुए फीडबैक की गुणवत्ता के आधार पर एक शिकायत निवारण सूचकांक के माध्यम से वर्गीकृत किया जाएगा। फील्ड कार्यालयों (प्रयोगशालाओं/स्थापनाओं) के लिए लास्ट माइल ऑफिसर्स (एलएमओ) के पद सृजित किए गए हैं जिन्हें प्राप्त हुई शिकायतों की जांच करके अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करने का काम सौंपा गया है। इसी क्रम में तैनात किए गए समापन अधिकार अधिकारी (सीआरओ) को शिकायतकर्ताओं को दिए जाने वाले उत्तर को अनुमोदित करने तथा उसके पश्चात संबंधित शिकायत को बंद करने का कार्य सौंपा गया है। यदि नागरिक दिए गए उत्तर से संतुष्ट नहीं है तो इस स्थिति में उसे नोडल अपीलीय प्राधिकारी के समक्ष अपील दायर करने का विकल्प उपलब्ध कराया गया है जिनके द्वारा 30 दिनों की अवधि के भीतर

आवेदक की शिकायतों का निस्तारण किया जाएगा।

डीआरडीओ के सभी नोडल/उप नोडल अधिकारी जो सीपीजीआरएएमएस संस्करण 7.0 के लिए एलएमओ अधिकारी हैं, को उनके कर्तव्यों के प्रति संवेदनशील बनाने के उद्देश्य से डीआरडीओ की दिल्ली तथा दिल्ली जोन में स्थित सभी प्रयोगशालाओं/स्थापनाओं के लिए 8 अगस्त 2022 को टोसावस्था भौतिक प्रयोगशाला (एसएसपीएल), दिल्ली में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कार्यशाला का उद्घाटन डॉ (सुश्री) सीमा विनायक, निदेशक, एसएसपीएल द्वारा किया गया तथा इसकी अध्यक्षता डीआरडीओ मुख्यालय के कार्मिक निदेशक डॉ संजय के द्विवेदी ने की। कार्यशाला के संकाय सदस्यों में सुश्री निशि श्रीवास्तव, अपर निदेशक, डीओपी; श्री गौरव चौधरी, वैज्ञानिक 'डी' एवं महानिदेशक (एचआर) के एसओ तथा सुश्री साधना पाठक, टी ओ 'बी' शामिल थीं।

संज्ञानात्मक विकास पर प्रशिक्षण मॉड्यूल: महत्वपूर्ण विचार

रक्षा मनोवैज्ञानिक अनुसंधान संस्थान (डीआईपीआर), दिल्ली ने भारतीय सेना की विभिन्न स्थापनाओं के लिए 'संज्ञानात्मक विकास पर प्रशिक्षण मॉड्यूल: महत्वपूर्ण विचार' को विकसित तथा मानकीकृत किया है। प्रयोगशाला द्वारा इस प्रशिक्षण मॉड्यूल को सैनिकों को अपने सामने उपस्थित परिस्थितियों के अनुरूप आवश्यक निर्णय करने में सक्षम बनाने के लिए उनके कौशल को संवर्धित करने के उद्देश्य से विकसित किया गया है। प्रशिक्षण मॉड्यूल सरल क्रियाकलापों की मदद से सैनिकों के समग्र संज्ञानात्मक संसाधनों को बढ़ाने में मदद करता है तथा समुपस्थित परिस्थितियों के अनुरूप आवश्यक निर्णय करने में सक्षम बनाने के लिए उनके कौशल को संवर्धित करने में भी मदद करता है। मॉड्यूल में प्रयोक्ता मैनुअल तथा तीन कार्य पुस्तिकाएँ शामिल हैं, अर्थात् प्राइमिंग

वर्कबुक, बेसिक कॉग्निटिव ट्रेनिंग वर्कबुक, एवं ट्रेनर्स वर्कबुक: क्रिटिकल थिंकिंग।

'संज्ञानात्मक विकास पर प्रशिक्षण मॉड्यूल: महत्वपूर्ण विचार' को क्रियान्वित करने के लिए 28 जुलाई 2022 को निदेशक, डीआईपीआर

द्वारा यह मॉड्यूल मैकेनाइज्ड इन्फैंट्री सेंटर एंड स्कूल, अहमदनगर; एनसीओ अकादमी, ढाणा; इन्फैंट्री स्कूल, महू के युवा सैन्य अधिकारियों तथा राजपुताना राइफल्स रेजिमेंटल सेंटर, दिल्ली को सौंपा गया।



खाद्य प्रसंस्करण प्रौद्योगिकियों तथा गुणवत्ता मूल्यांकन तकनीकों में प्रगति विषय पर पाठ्यक्रम का आयोजन

रक्षा खाद्य अनुसंधान प्रयोगशाला (डीएफआरएल), मैसूर में 'खाद्य प्रसंस्करण प्रौद्योगिकियों तथा गुणवत्ता मूल्यांकन तकनीकों में प्रगति' विषय पर 20-24 जून 2022 के दौरान 5 दिवसीय सतत शिक्षा कार्यक्रम (सीईपी) का आयोजन किया गया। डॉ अनिल दत्त सेमवाल, निदेशक, डीएफआरएल ने इस पाठ्यक्रम का उद्घाटन किया। इस पाठ्यक्रम में विद्वान वक्ताओं द्वारा पाठ्यक्रम की विषय-वस्तु को ध्यान में रखते हुए विभिन्न विषयों अर्थात् मिल में गेहूं की पिसाई तथा गेहूं से तैयार किए गए उत्पादों के गुणवत्ता विश्लेषण की उन्नत तकनीक, खाद्य पदार्थों का ऊष्मीय प्रसंस्करण तथा स्पंदित विद्युत क्षेत्र प्रसंस्करण, खाद्य गुणवत्ता निर्धारण की उन्नत स्पेक्ट्रोस्कोपी तकनीक, खाद्य पदार्थों की त्रिविमीय प्रिंटिंग, खाद्य पदार्थों का गैर-ऊष्मीय प्रसंस्करण, मीट तथा पोल्ट्री प्रसंस्करण प्रौद्योगिकियों में प्रगति, खाद्य सुरक्षा, आदि पर अत्यधिक ज्ञानवर्धक व्याख्यान दिए गए। इस पाठ्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों के ज्ञानवर्धन हेतु प्रयोगशाला के 14 तथा प्रयोगशाला से बाहर के 4 संकाय सदस्यों द्वारा लगभग 22 सत्रों में व्याख्यान



दिए गए। प्रयोगशाला से बाहर के संकाय सदस्यों को बंगलुरु, पुणे (सतारा), तंजौर और मैसूर स्थित विभिन्न संस्थानों और उद्योगों से आमंत्रित किया गया था। पाठ्यक्रम के एक हिस्से के रूप में मैसूर-चामराजनगर डिस्ट्रिक्ट कोऑपरेटिव मिल्क प्रोड्यूसर्स सोसाइटीज यूनियन लिमिटेड (नंदिनी डेयरी), सिद्धार्थनगर, मैसूर (क्यूसीडी लैब एंड प्रोसेसिंग प्लांट), इंटरनेशनल स्कूल ऑफ मिलिंग टेक्नोलॉजी

(आईएसएमटी), सीएसआईआर-केंद्रीय खाद्य प्रौद्योगिकी अनुसंधान संस्थान (सीएफटी आरआई), मैसूर, आईटीसी लिमिटेड-फूड डिवीजन, नांजानगुड का एक दौरा कार्यक्रम भी आयोजित किया गया था। पाठ्यक्रम डॉ डी डी वाडीकर, वैज्ञानिक 'एफ', पाठ्यक्रम निदेशक तथा डॉ एम पामुरुगन, वैज्ञानिक 'ई' पाठ्यक्रम संयोजक के नेतृत्व में अत्यधिक सफलतापूर्वक पूरा किया गया।

डॉ ए पी जे अब्दुल कलाम को श्रद्धांजलि

नौसेना भौतिक तथा समुद्र विज्ञान प्रयोगशाला (एनपीओएल), कोच्चि ने 27 जुलाई 2022 को डॉ ए पी जे अब्दुल कलाम की 7वीं पुण्यतिथि मनाई। इस अवसर पर एनपीओएल के प्रवेश द्वार पर स्थापित की गई डॉ ए पी जे अब्दुल कलाम की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया। कार्यक्रम का आरंभ डॉ अजित कुमार के, वैज्ञानिक 'जी' एवं निदेशक, एनपीओएल द्वारा प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित किए जाने के साथ हुआ जिसके पश्चात एनपीओएल के वरिष्ठ अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा भी डॉ ए पी जे अब्दुल कलाम की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की गई।



सक्रिय रासायनिक एजेंटों के संबंध में विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

रक्षा अनुसंधान तथा विकास स्थापना (डीआरडीई) द्वारा फील्ड परिस्थितियों के अंतर्गत रासायनिक तथा जैविक हथियारों (सीबीडब्ल्यू) से सुरक्षा के संबंध में ज्ञान एवं कौशल प्रदान करने के लिए किए जा रहे निरंतर प्रयासों के एक हिस्से के रूप में राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (एनएसजी) के कमांडो तथा अधिकारियों के लिए रासायनिक रक्षा उपकरण मूल्यांकन सुविधा (सीडीईएफ), डीआरडीई, नागपुर में 25-29 जुलाई 2022 के दौरान 'सक्रिय रासायनिक एजेंट' विषय पर पांच दिवसीय विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों को रासायनिक युद्ध एजेंटों (सीडब्ल्यूए) के रख-रखाव एवं निगरानी करने के संबंध में व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया। इसके अतिरिक्त प्रतिभागियों ने रासायनिक युद्ध एजेंटों के संबंध में अद्यतन जानकारी प्राप्त करने के लिए कई इंटरैक्टिव व्याख्यानों में भी भाग लिया। इस कार्यक्रम के दौरान डीआरडीई द्वारा विकसित किए गए विभिन्न नाभिकीय, जैविक तथा रासायनिक (एनबीसी) सुरक्षा उपकरण भी प्रतिभागियों के समक्ष प्रदर्शित



किए गए ताकि इन सुरक्षा उपकरणों के प्रभावी एवं सुरक्षित उपयोग के संबंध में उन्हें अधिक निपुण बनाया जा सके। प्रतिभागियों ने डीआरडीई के अनुभवी संकाय सदस्यों की देखरेख में सीडब्ल्यूए द्वारा प्रस्तुत की गई अनुकारित परिस्थितियों का सामना करने के लिए सामूहिक फील्ड अभ्यास भी किया।

इस पाठ्यक्रम में भाग लेने से प्रतिभागियों में सीडब्ल्यूए द्वारा प्रस्तुत की जाने वाली आपात परिस्थितियों का सामना करने के लिए आत्मविश्वास में वृद्धि हुई। डॉ एम एम परिदा, निदेशक, डीआरडीई, ग्वालियर ने प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान किए। डॉ बी सी बाग, वैज्ञानिक 'एफ' ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

राजभाषा हिंदी से संबंधित क्रियाकलाप

डेसीडॉक, दिल्ली

रक्षा वैज्ञानिक सूचना तथा प्रलेखन केंद्र (डेसीडॉक), दिल्ली में 29 जून 2022 को हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में दिल्ली विश्वविद्यालय की प्रोफेसर (डॉ) कुमुद शर्मा द्वारा 'भूमंडलीय परिवेश में हिंदी का नया स्वरूप' विषय पर एक आमंत्रित व्याख्यान दिया गया। अपने व्याख्यान में वैश्विक मंच पर हिंदी भाषा को स्वीकृति प्रदान किए जाने के संबंध में वक्ता द्वारा कई उदाहरणों का उल्लेख किया गया। डॉ के नागेश्वर राव, निदेशक, डेसीडॉक ने कार्यशाला के दौरान डेसीडॉक के कर्मचारियों को संबोधित किया तथा उनसे जितना हो सके हिंदी में अपना काम करने का आग्रह किया।



डीएमआरएल, हैदराबाद

रक्षा धातुकर्मीय अनुसंधान प्रयोगशाला (डीएमआरएल), हैदराबाद में 24 जून 2022 को एक दिवसीय हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें प्रशासन तथा संबद्ध श्रेणियों के अनेक अधिकारियों ने भाग लिया। कार्यशाला का संचालन डॉ अशोक कुमार सिंह, वैज्ञानिक 'जी' ने किया। इस अवसर पर आपने 'राजभाषा हिंदी के क्रियान्वयन में कर्मचारियों की भूमिका' विषय पर व्याख्यान दिया। आपने प्रतिभागियों को हिंदी में बोलने के लिए अभिप्रेरित करते हुए कार्यालय में अपना अधिकाधिक काम हिंदी में करने की आवश्यकता एवं महत्व पर प्रकाश डाला। आपने सभी प्रतिभागियों से अपने रोजमर्रा



के कामकाज में हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा देने में अपनी भूमिका निभाने का भी अनुरोध किया। आपने रोजमर्रा के सरकारी कामकाज

में अंग्रेजी के स्थान पर हिंदी में टिप्पणियाँ लिखने के लिए प्रयोग में लाए जाने वाले हिंदी के विभिन्न शब्दों के बारे में बताया।

इनमास, दिल्ली

नाभिकीय औषधि तथा संबद्ध विज्ञान संस्थान (इनमास), दिल्ली ने राजभाषा के रूप में हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए 29 जून 2022 को विभिन्न संवर्गों के सभी अधिकारियों के लिए एक दिवसीय हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यशाला का उद्घाटन डॉ अनिल कुमार मिश्रा, वैज्ञानिक 'जी' तथा निदेशक, इनमास द्वारा किया गया। डॉ अंशु गौतम, वैज्ञानिक 'ई' तथा राजभाषा अधिकारी ने कार्यशाला के प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए उन्हें हिंदी के क्षेत्र में प्राप्त की गई अपनी उपलब्धियों के बारे में बताया। आपने दिल्ली विश्वविद्यालय से संबद्ध श्रीराम कॉलेज ऑफ कॉमर्स के हिंदी विभागाध्यक्ष एवं कार्यशाला में आमंत्रित वक्ता डॉ (प्रो.) रवि शर्मा का पौध भेंट करके स्वागत किया। कार्यशाला के दौरान, डॉ मिश्रा ने अपने व्याख्यान में सभी प्रतिभागियों को अपना अधिकाधिक सरकारी कामकाज हिंदी में करने के लिए प्रेरित किया।

कार्यशाला का आयोजन एक विशेष थीम 'हिंदी में काम, बहुत ही आसान' का संदेश सभी प्रतिभागियों तक पहुंचाने के उद्देश्य से किया गया था। कार्यशाला में आमंत्रित वक्ता प्रो. शर्मा ने अपने व्याख्यान में कार्यशाला में उपस्थित सभी प्रतिभागियों को संबोधित करते



हुए राजभाषा नीति के प्रभावी क्रियान्वयन तथा प्रशासनिक कार्यों के साथ ही वैज्ञानिक एवं तकनीकी क्षेत्रों में भी राजभाषा हिंदी के व्यापक उपयोग के बारे में बताया। आपने राजभाषा के रूप में हिंदी को प्रयोग में लाने के महत्व पर बल दिया। आपने सभी प्रतिभागियों को अपना अधिकाधिक सरकारी कामकाज हिंदी में करने के लिए प्रेरित किया। इस कार्यशाला में लगभग 100 प्रतिभागियों ने भाग

लिया था।

कार्यशाला के अंत में निदेशक, इनमास ने प्रो शर्मा को स्मृति चिन्ह एवं शॉल भेंट करके उन्हें सम्मानित किया। डॉ अंशु ने धन्यवाद प्रस्ताव दिया तथा सभी प्रतिभागियों से राजभाषा के रूप में हिंदी को अधिकाधिक प्रयोग में लाने के लिए संस्थान में आयोजित किए जा रहे विभिन्न क्रियाकलापों में भाग लेने का अनुरोध किया।

आईएमएमएस-2.0 पर कार्यशाला

रक्षा धातुकर्मीय अनुसंधान प्रयोगशाला (डीएमआरएल), हैदराबाद में 'आईएमएमएस-2.0 के कार्यान्वयन' विषय पर 14-15 जुलाई 2022 के दौरान दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। आईएमएमएस-2.0 को शीघ्र क्रियान्वित करने के उद्देश्य से डीएमआरएल के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को प्रशिक्षण प्रदान करने के उद्देश्य से आयोजित की गई इस कार्यशाला में आयुध अनुसंधान तथा विकास स्थापना (एआरडीई), पुणे से दो विशेषज्ञों को आमंत्रित किया गया था। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में सभी प्रयोक्ताओं द्वारा भारी उत्साह एवं उमंग के साथ भाग लिया गया जो डीएमआरएल में आईएमएमएस-2.0 को क्रियान्वित करने के लिए डीएमआरएल के अधिकारियों एवं



कर्मचारियों की निष्ठा, उत्साह, उमंग तथा समर्पण को दर्शाता है।

कम्प्यूटेशनल दृष्टिकोण के माध्यम से त्वरित धातु विकास विषय पर कार्यशाला का आयोजन

रक्षा धातुकर्मीय अनुसंधान प्रयोगशाला (डीएमआरएल), हैदराबाद ने 16 जून 2022 को 'कम्प्यूटेशनल दृष्टिकोण के माध्यम से त्वरित सामग्री विकास' विषय पर एक दिवसीय तकनीकी कार्यशाला का आयोजन किया जिसका उद्देश्य डीएमआरएल द्वारा चलाई जा रही वर्तमान परियोजनाओं को क्रियान्वित करने के लिए विभिन्न हितधारकों से नए विचारों एवं इनपुट के रूप में सहायता प्राप्त करना तथा तेज गति से सामग्री विकास किए जाने की भावी मांगों को प्रभावी ढंग से पूरा करने के संबंध में राष्ट्रीय क्षमता का आकलन करना था। कार्यशाला में डीआरडीओ की सभी प्रयोगशालाओं, अकादमिक जगत तथा उद्योग जगत से लगभग 85 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इस प्रयोगशाला में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान-मद्रास से आमंत्रित प्रो जी फणिकुमार द्वारा अपना प्रमुख भाषण दिया गया जिसमें आपने आईसीएमई अनुप्रयोगों को दर्शाने हुए सामग्री विकास की गति में कई गुना तेजी लाने के लिए विशेष मामला अध्ययनों से प्राप्त हुए परिणामों का वर्णन किया। कार्यशाला में आमंत्रित किए गए डीएमआरएल, आईआईटी



तथा उद्योग जगत के वक्ताओं ने रक्षा क्षेत्र के लिए सामग्री के स्कोप तथा महत्व, सामग्री विकास में तेजी लाने में कम्प्यूटेशनल विधियों को प्रयोग में लाने से संबंधित सफलता की कहानियों, बहु-स्तरीय सामग्री मॉडलिंग के लिए कम्प्यूटेशनल विधियों/तकनीक तथा मशीन अधिगम/कृत्रिम बुद्धिमत्ता के साथ-साथ आईसीएमई समुदाय द्वारा प्रयोग में लाए जाने वाले विभिन्न सॉफ्टवेयर और एकीकरण उपकरणों के संबंध में विचार विमर्श किया गया।

कार्यशाला में डॉ जी मधुसूदन रेड्डी, उत्कृष्ट वैज्ञानिक तथा निदेशक, डीएमआरएल की अध्यक्षता में एक पैनल विचार विमर्श सत्र का भी आयोजन किया गया जिसमें रणनीतिक कार्यक्रमों के लिए मिश्र धातुओं के त्वरित प्रमाणीकरण और स्वदेशीकरण से संबंधित मुद्दों का समाधान करने की वर्तमान क्षमता, विभिन्न अनुकार उपकरणों के लिए बेंचमार्क विकसित करने की आवश्यकता तथा सार्वजनिक वित्त पोषित परियोजनाओं से डेटा साझा करने के महत्व पर चर्चा की गई।

वायुवाहित शीतलन प्रणाली परीक्षण सुविधा का उद्घाटन

युद्धक विमान प्रणाली विकास तथा एकीकरण केंद्र (केस्डिक), बेंगलुरु में शीतलन प्रणाली विकास परियोजना 'प्रवाह' के एक हिस्से के रूप में स्थापित की गई वायुवाहित शीतलन प्रणाली परीक्षण सुविधा का सुश्री जे मंजुला, तत्कालीन महानिदेशक (ईसीएस) द्वारा 27 अप्रैल 2022 को उद्घाटन किया गया। यह परीक्षण सुविधा उड़ान की विभिन्न स्थितियों में शीतलन प्रणाली के कार्य-निष्पादन का मूल्यांकन करने के लिए शीतलन प्रणाली द्वारा अनुभव किए गए द्रव्यमान प्रवाह, अंतर्वाही तापमान तथा दबाव को अनुकारित कर सकती है। यह परीक्षण सुविधा वायुवाहित अनुप्रयोगों के लिए प्रयुक्त ऊष्मा विनिमायकों (हीट एक्सचेंजर्स) तथा एयर साइकिल मशीनों के कार्य-निष्पादन मानचित्रों को तैयार करने के लिए भी प्रयोग में लाई जा सकती है। इस परीक्षण सुविधा में उड़ान के दौरान शीतलन प्रणाली के एक्विजट



स्कूप पर उत्पन्न हुए ऋणात्मक दाब को अनुकारित करने के लिए विशेष प्रावधान किए गए हैं। विभिन्न ऊष्मा भारों के विरुद्ध शीतलन प्रणाली के कार्य-निष्पादन की जांच करने के लिए इस परीक्षण सुविधा में परिवर्तनशील ऊष्मा भार उपलब्ध कराए गए हैं।

यह सुविधा 1000 किग्रा/घंटा तक द्रव्यमान प्रवाह उपलब्ध करा सकती है, इसमें

अंतर्वाही तापमान (इनलेट तापमान) 0 डिग्री सेल्सियस से 150 डिग्री सेल्सियस के बीच हो सकता है तथा इनलेट दाब 5 बार तक निर्धारित किया जा सकता है। एससीएडीए-आधारित क्लोज लूप नियंत्रण प्रणाली के साथ शीतलन प्रणाली के लिए आवश्यक परीक्षण बिंदु सटीक रूप से प्राप्त किया जा सकता है।

निरीक्षण/दौरा कार्यक्रम

डीआरडीओ की प्रयोगशालाओं में पधारे अतिथिगण केयर, बेंगलुरु

वाइस एडमिरल विश्वजीत दासगुप्ता, एवीएसएम, वाईएसएम, वीएसएम, एफओ सी-इन-सी (पूर्व) और आपकी टीम ने 19 जुलाई 2022 को कृत्रिम ज्ञान तथा रोबोटिकी केंद्र (केयर), बेंगलुरु का दौरा किया। इस अवसर पर डॉ सुब्रत रक्षित, उत्कृष्ट वैज्ञानिक तथा निदेशक, केयर ने प्रयोगशाला के निरीक्षण पर आए अधिकारी को केयर द्वारा किए जा रहे विभिन्न क्रियाकलापों के संबंध में संक्षेप में अवगत कराया जिसके पश्चात केयर द्वारा नौसेना के लिए निर्देशन एवं नियंत्रण के क्षेत्र में विकसित की गई प्रौद्योगिकियों के संबंध में विचार-विमर्श एवं प्रदर्शन कार्यक्रम आयोजित किए गए।



पेटेंट

समअक्षीय क्रिस्टलीकृत संरचना एवं स्तंभाकार क्रिस्टलीय ब्लेडों (इक्विएक्सड ग्रेन हब एंड कॉलमनर ग्रेन्ड ब्लेड्स) से युक्त एक समेकित रोटार के निर्माण तथा इसके लिए प्रयुक्त विधि के लिए एक पेटेंट प्रदान किया गया है (पेटेंट संख्या 369447) जिसके आविष्कारकर्ता रक्षा धातुकर्मीय अनुसंधान प्रयोगशाला (डीएमआरएल), हैदराबाद के श्री एन दास, श्री एन हजारी तथा श्री डी चटर्जी हैं।